Edit with WPS Office

विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू -कुमारी, वर्ग -तृतीय, विषय -हिंदी, दिनांक-05-10-2020

पाठ -14

एन.सी.ई.आर.टी आधारित

सुप्रभात बच्चों,

पिछले कक्षा में आपने स्वच्छ रहें- स्वस्थ रहें कहानी का आधा भाग पूरे मनोयोग से पढ़ा होगा। आज उसी कहानी का शेष भाग का अध्ययन करना है जो कि इस प्रकार है-

अनंत और राघव जब एक कमरे में बैठे तो राघव ने कहा,"देखो दोस्त, तुम्हारे घर के आस-पास की गंदगी ही बीमारी की जड़ है।तुम्हें तो यह अच्छी तरह से पता है कि गंदगी में ही बीमारियों के रोगाणु पनपते हैं।"

अनंत बोला,"तुमने बिल्कुल सही कहा। पता नहीं, मेरा ध्यान इस ओर क्यों नहीं गया।"

अब अनंत और राघव ने यह बात पूरे परिवार के सामने रखें। सभी उनकी बात से सहमत थे। सब ने मिलकर उसी दिन घर की अच्छी तरह सफाई कर डाली।

घर के बाहर और अड़ोस -पड़ोस में भी गंदगी की समस्या व्याप्त थी।इसके लिए अनंत और राघव ने सबको पार्क में कटा किया और उन्हें साफ- सफाई का महत्व समझाया। उन्होंने 'गंदगी दूर भगाओ'बीमारी दूर भगाओ'तथा स्वच्छ रहें- स्वस्थ रहें'जैसे नारों के बोर्ड बनाकर इधर-उधर गाड़ दिए । अब उन्होंने लोगों को महात्मा गांधी की सफाई का ध्यान रखने की आदत के बारे में बताया बताया। धीरे-धीरे उनके इन प्रयासों का परिणाम दिखाई देने लगा। अब सब तरफ साफ -सुथरा था-घर में भी और बाहर भी डॉक्टरों के पास जाना भी कम होने लगा। अनंत की समस्या भी हल हो गई। अब उसके घर में शायद हीकोई बीमार पड़ता था। दोनों दोस्त खुश थे।

हमने सीखा-हमने प्रतिदिन काम आने वाली एक अच्छी बात सीखी। साफ सफाई और गंदगी का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है यह भी जाना।

बच्चों, आज इस कहानी का समापन हुआ कहानी पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें। और पढ़ कर अपनी माता व पिता को सुनाएं।